गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 246
दि. 06.01.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

11 जनवरी को गुजरात जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 जनवरी को गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर का दौरा करेंगे। इस दौरान वे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में भाग लेंगे, जो 8 जनवरी से 11 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। इस चार दिवसीय आयोजन में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों की श्रृंखला चलेगी। अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की शुरूआत की जाएगी।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का उद्देश्य भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, आस्था और आत्मसम्मान के भाव को सशक्त करना है। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, आध्यात्मिक प्रवचन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सामाजिक जागरूकता से जुड़े आयोजन किए जाएंगे। स्थानीय प्रशासन और ट्रस्ट की ओर से प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' सनातन चेतना का उत्सवः भूपेंद्र पटेल

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री के दौरे से पहले एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, सोमनाथ मंदिर की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता के करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है। यह असत्य के सामने कभी न झुकने वाले भारत के स्वमान की अमर गाथा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से इस आठ जनवरी से 11 जनवरी तक 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत इसी सनातन चेतना, आस्था और राष्ट्रीय गौरव का उत्सव मनाया जाएगा। भारत माता को वैभव के शिखर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में यह हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक संकल्प का अवसर होगा।

'सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था का प्रतीक'

भाजपा प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आज का विषय राजनीति से जुड़ा नहीं है, बल्कि भारत की पहचान, अस्मिता, अस्तित्व और उसके भविष्य से संबंधित है। उन्होंने कहा कि हर देश के इतिहास में कुछ ऐसे मोड़ और तारीखें होती हैं, जो भले ही पीड़ादायक हों, लेकिन उन्हें याद रखना जरूरी होता है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उन्होंने याद दिलाया कि आज 6 जनवरी 2026 है और ठीक एक हजार साल पहले इसी दिन महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ मंदिर का विध्वंस किया गया था। सोमनाथ मंदिर को द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माना जाता है और इसका धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व अत्यंत विशेष है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था का प्रतीक है। मान्यता है कि इसके दर्शन मात्र से पापों का नाश होता है, पुण्य की प्राप्ति होती है और मनोवांछित फल मिलते हैं। यही कारण है कि सोमनाथ भारत की आत्मा और उसकी सनातन परंपरा का प्रतीक माना जाता है।

भारत की समृद्धि और संकल्प का प्रतीक

उन्होंने 11 मई 1951 का जिक्र करते हुए कहा कि जब सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना हो रही थी, तब देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ की पूर्ण प्रतिष्ठा सिर्फ मंदिर के पुनर्निर्माण से नहीं होगी, बल्कि तब मानी जाएगी जब भारत भी उसी समृद्धि के शिखर पर पहुंचेगा, जिसकी वजह से अतीत में आक्रांताओं ने यहां हमला किया था। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि 1951 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के विरोध के बावजूद, राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की मौजूदगी में यह संकल्प साकार हुआ था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से समृद्धि की ओर बढ़ रहा है और वह सपना अब साकार होने की दिशा में है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ के संकल्प का विचार आज वास्तविकता बनता हुआ दिखाई दे रहा है।

सोमनाथ मंदिर पर पीएम मोदी ने लिखा लेख

प्रधानमंत्री मोदी पहले भी कह चुके हैं कि बार-बार विदेशी आक्रांताओं के हमलों के बावजूद दोबारा खड़ा हुआ सोमनाथ मंदिर भारतीय सभ्यता के अडिग और अटल आत्मबल का प्रतीक है। हाल ही में अपने लेख में उन्होंने कहा था कि सोमनाथ से बेहतर भारतीय सभ्यता की अजेय भावना का उदाहरण कोई और नहीं हो सकता, जो तमाम कठिनाइयों और संघर्षों के बाद भी गौरव के साथ खड़ा है। उन्होंने लिखा 'वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है, क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनवी के महमूद ने आस्था और सभ्यता के महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह हिंसक और बर्बर प्रयास था।'

'अनगिनत आक्रमण, अटूट आस्था', सोमनाथ मंदिर पर हमले के 1000 साल, पीएम मोदी ने लिखा भावुक ब्लॉग

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भावुक और विचारोत्तेजक ब्लॉग के माध्यम से सोमनाथ मंदिर की हजार वर्षों की संघर्षपूर्ण, लेकिन गौरवशाली यात्रा को शब्द दिए हैं। यह ब्लॉग केवल एक मंदिर के इतिहास का वर्णन नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यता, आस्था, स्वाभिमान और पुनर्जागरण की अदम्य शक्ति का प्रतीक है। सोमनाथ, जो बार-बार विध्वंस के बाद भी पुनः खड़ा हुआ, आज भी भारत की आत्मा का शाश्वत प्रतीक बना हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि "सोमनाथ" नाम सुनते ही मन में गौरव और आस्था का भाव जाग उठता है। गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर पर पहला बड़ा हमला जनवरी 1026 ईस्वी में महमूद गजनवी द्वारा किया गया था, जिसने पवित्र ज्योतिर्लिंग को खंडित कर दिया। इसके बाद अलाउद्दीन खिलजी (1299), जफर खान (1395) और औरंगजेब (1706) जैसे शासकों ने भी इस श्रद्धा केंद्र पर आक्रमण किए। इन हमलों का उद्देश्य केवल भौतिक विनाश नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को तोड़ना था। प्रत्येक हमले के बावजूद, मंदिर के पुनर्निर्माण के प्रयास लगातार जारी रहे। भारत की स्वतंत्रता के उपरांत, सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शी पहल पर इसका वर्तमान भव्य स्वरूप निर्मित हो सका, जो 1951 में पूर्ण हुआ।

प्रधानमंत्री ने स्मरण कराया कि गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित यह ज्योतिर्लिंग भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में सोमनाथ का उल्लेख सबसे पहले आता है, जो इसकी सभ्यतागत और धार्मिक महत्ता को दर्शाता है।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका, टीएमसी छोड़ कांग्रेस में लौटीं राज्यसभा सांसद मौसम नूर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका देते हुए राज्यसभा सांसद मौसम नूर ने शनिवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। पार्टी में वापसी करते हुए उन्होंने साफ कहा कि अब बंगाल को बदलाव की जरूरत है।

46 वर्षीय मौसम नूर का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है और उनके मालदा से चुनावी मैदान में उतरने की प्रबल संभावना है। वे इससे पहले 2009 से 2019 तक मालदा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 जनवरी को राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे : उप मुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी

उप मुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी ने राजकोट कलेक्ट्रेट में पत्रकारों को संबोधित किया

वीजीआरसी से सौराष्ट्र-कच्छ में बड़े पैमाने पर निवेश आएगा : श्री हर्षभाई संघवी

गुजरात सरकार का उद्योगकारों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का स्थल पर ही निपटारा करने का दृष्टिकोण स्वागत योग्य : प्रभारी मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी

गांधीनगर, 05 जनवरी : उप मुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी ने सोमवार को राजकोट जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में आज राजकोट में सौराष्ट्र-कच्छ के उद्योगपतियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के छोटे-बड़े उद्योगकारों की मुश्किलों, समस्याओं और उनके विभिन्न मुद्दों का तत्काल समाधान किया गया ताकि वे और अधिक निवेश करके अपने उद्योगों का विकास कर सकें। इसके साथ ही, सभी विभागों के साथ एक समूह बैठक भी की गई।

उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में राजकोट गुजरात का ग्रोथ इंजन है और आने वाले दिनों में देश और दुनिया से और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) का आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व मेहसाणा में पहली वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक आयोजित हो चुकी है।

श्री संघवी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 जनवरी को राजकोट स्थित मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कॉन्फ्रेंस के दौरान और उसके बाद के दिनों में भी सौराष्ट्र और कच्छ में बड़े पैमाने पर निवेश आएगा।

उन्होंने कहा कि राजकोट मैन्युफैक्चरिंग सहित सभी सेक्टरों में काफी तेजी से प्रगति कर रहा है। लेकिन, और भी अधिक गति से विकास हो सके और व्यापारियों, उद्योगकारों एवं मैन्युफैक्चरर्स ज्यादा आसानी से काम कर सकें, इसके लिए आज उनकी बैठक का आयोजन किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि आज राजकोट से गुजरात सरकार की विभिन्न औद्योगिक नीतियों के तहत राज्य के 10,435 उद्योगकारों को 956.51 करोड़ रुपए की प्रोत्साहक सहायता का वितरण किया गया है। टेक्सटाइल, इंसेंटिव टू इंडस्ट्रीज, पर्यावरण, औद्योगिक बुनियादी ढांचे की योजना, लघु उद्योगों से संबंधित योजना जैसी योजनाओं के अंतर्गत सौराष्ट्र एवं कच्छ के 137 उद्योगकारों को कुल 661.73 करोड़ रुपए की राशि के स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि गुजरात देश में सबसे तेजी से इंसेंटिव देने वाला राज्य है। इस प्रक्रिया को और भी तेज बनाने के लिए उद्योग विभाग दिन-रात काम कर रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सबसे अधिक निवेश लाने में गुजरात की सफलता का जिक्र करते हुए आशा व्यक्त की कि आने वाले दिनों में भी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार सभी नागरिकों के सहयोग से राज्य में अधिक से अधिक निवेश लाकर विकास के मार्ग पर अग्रसर रहेगी।

उधर, प्रभारी मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि उद्योगकार और व्यापारी मैन्युफेक्चरिंग और व्यापार-धंधों के जरिए राज्य की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान दे रहे हैं, तब मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी के नेतृत्व में उद्योगकारों की समस्याओं का स्थल पर ही निपटारा करने तथा नीति विषयक मुद्दों का तत्काल राज्य स्तर से समाधान करने के लिए आज यहां उद्योगकारों के साथ बैठक की गई, जो स्वागत योग्य है।

इस प्रेस वार्ता में राजस्व विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. जयंती रवि, उद्योग एवं खान विभाग की अपर मुख्य सचिव सुश्री ममता वर्मा, विधायक सर्वश्री उदयभाई कानगड़, डॉ. दर्शिताबेन शाह और दुर्लभजीभाई देथरिया सहित जिला कलेक्टर डॉ. ओम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण और जनरल कैटेगरी में नौकरी पाने के अधिकार पर दिया ऐतिहासिक फैसला

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः सरकारी नौकरियों में आरक्षण और मेरिट को लेकर लंबे समय से चल रही बहस अब सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के साथ समाप्त हो गई है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि आरक्षित वर्ग (रउ, रळ, डइउ और एहर) के उम्मीदवार भी सामान्य श्रेणी की सीटों पर नौकरी पाने के हकदार हैं, बशर्ते वे उस श्रेणी के कटऑफ अंक हासिल करें।

इस फैसले से न केवल आरक्षित वर्ग के मेधावी उम्मीदवारों को बड़ा अवसर मिला है, बल्कि यह नियम भर्ती प्रक्रिया में 'ओपन' या अनारक्षित सीटों की व्याख्या को भी नए सिरे से परिभाषित करता है।

मामला राजस्थान हाईकोर्ट से जुड़ा था

यह विवाद राजस्थान हाईकोर्ट की एक भर्ती प्रक्रिया से शुरू हुआ था। हाईकोर्ट ने नियम बनाया था कि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को जनरल कैटेगरी की सीटें नहीं दी जाएंगी, भले ही उनके अंक सामान्य कटऑफ से अधिक हों। हाईकोर्ट का तर्क था कि यह डबल बेनिफिट होगा—आरक्षण का लाभ और साथ ही जनरल सीट पर चयन।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की दलील

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट की दलील को खारिज कर दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जी मसीह की पीठ ने कहा कि मेरिट का सम्मान सबसे महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने 1992 के इंदिरा साहनी फैसले का हवाला देते हुए कहा कि 'ओपन' का अर्थ है सभी के लिए खुला। आरक्षित उम्मीदवारों को अनारक्षित सीट पर मेरिट के आधार पर चयन से रोकना न्याय संगत नहीं है।

ट्रंप की धमकी से अब हिला ईरान, देश छोड़ भागने की तैयारी में सर्वोच्च नेता खामेनेई ! रूस बनेगा ठिकाना

(जीएनएस)।

ईरान में गंभीर आर्थिक संकट के चलते भड़के देशव्यापी विरोध-प्रदर्शनों के बीच एक विदेशी मीडिया रिपोर्ट ने बड़ा और संवेदनशील दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कथित हस्तक्षेप और धमकी के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई देश छोड़ने की योजना पर विचार कर रहे हैं। द टाइम्स की रिपोर्ट में एक कथित इंटेलिजेंस आकलन का हवाला देते हुए कहा गया है कि 86 वर्षीय खामेनेई ने ह्लबैक-अप प्लानह्व तैयार कर रखा है। दावा किया गया है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं, तो वे अपने लगभग 20 करीबी सहयोगियों और परिवार के सदस्यों के साथ ईरान से बाहर जा सकते हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खामेनेई के लिए संभावित शरणस्थली रूस हो सकती है ठीक वैसे ही जैसे सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद को रूसी समर्थन मिला था। रिपोर्ट के अनुसार, विकल्प सीमित होने के कारण मॉस्को ही उनके लिए सबसे सुरक्षित ठिकाना माना जा रहा है। हालांकि, ईरानी सरकार या खामेनेई के कार्यालय की ओर से इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस बीच, ईरान में हालात तेजी से बिगड़े हैं। आर्थिक बदहाली, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ भड़के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हिंसा में कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के 31 में से 25 प्रांतों में 170 से अधिक स्थानों पर प्रदर्शन हुए हैं और 580 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

विरोध-प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया देते हुए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने अशांति फैलाने वालों को ह्लदंगाईह्व बताते हुए कहा कि उनसे सख्ती से निपटना होगा। यह बयान हिंसक प्रदर्शनों के बाद उनकी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ता अमेरिकी दबाव, आंतरिक असंतोष और आर्थिक संकट तीनों मिलकर ईरान को एक गंभीर राजनीतिक मोड़ की ओर धकेल रहे हैं। हालांकि, खामेनेई के देश छोड़ने से जुड़े दावे फिलहाल अपुष्ट हैं और इन्हें सावधानी के साथ देखा जाना चाहिए।

सम्पादकीय

डिजिटल संसार में अत्यधिक समय देना सेहत का जोखिम

यह मानव स्वभाव है कि हर पीढ़ी अपने बच्चों को खुद से अधिक सुविधाएं देने का प्रयास करती है। मगर ऐसा लगता है कि आज की हमारी पीढ़ी ने अपने बच्चों को पूरी दुनिया एक छोटी सी स्व्रीन में सौंप दी है। बच्चे अब पहाड़, समुद्र, युद्ध, महामारी और उत्सव सब वुछ अंगुलियों के एक स्पर्श से देख सकते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया को समझ भी पा रहे हैं? या फिर सिर्प देख रहे हैं, बिना याद रखे, बिना गहराई से बेड किए? इसी प्रश्न के बीच दो नई आदतें उभरकर सामने आती और स्व्रॉलिग संस्वृति, जो बच्चों की दृश्य स्मृति मानसिक सव्रियता को प्रभावित कर रही है। ह्लबेड-राटिगह्ल का अर्थ हैलंबे समय तक बिस्तर पर ही पड़े रहना और मोबाइल चलाते रहना। पढ़ाई, मोबाइल, आराम सब वुछ एक ही जगह पर यह आदत अकसर थकान उदासी के नाम पर शुरू होता है रू होती है, लेकिन धीरे-धीरे जीवनशैली बन जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब बिस्तर केवल सोने की जगह न रहकर जागने और स्व्रीन देखने का वेंद्र बन जाता है, तो दिमाग को स्पष्ट संकेत नहीं मिलते। । इसका सीधा असर नींद की गुणवत्ता और स्मृति निर्माण की प्रयािा पर पड़ता है। बच्चों के मामले में यह स्थिति और भी संवेदनशील है। उनका दिमाग अभी विकसित हो रहा होता है। विजुअल प्रोसेसिग यानी दृश्य प्रसंस्करण वह क्षमता है, जिससे बच्चा आकार, रंग, दूरी, दिशा और गति को समझता है। दृश्य स्मृति वह शत्ति है, जिससे वह देखी हुई जानकारी को याद रखता है, चाहे वह शब्दों का रूप हो, किसी का चेहरा हो या रास्ते की पहचान। इन क्षमताओं का विकास केवल किताबों या स्व्रीन से नहीं होता, बल्कि वास्तविक दुनिया के अनुभवों से होता है, जैसे खुली जगह, खेल, दौड़ना, चेहरे पढ़ना, , और वस्तुओं को छूकर समझना आदि। लगातार बिस्तर पर रहकर एक सीमित दूरी से स्व्रीन देखना दृश्य अनुभव को संवुचित कर देता है। ऐसे में बच्चा तेज, चमकीली और लगातार बदलती तस्वीरों का आदी हो जाता है। तंत्रिका तंत्र विज्ञान से जुड़े शोध बताते हैं कि इस तरह के एकरूप दृश्य अनुभव से मस्तिष्क के ध्यान वेंद्रित करने की क्षमता और दृश्य विशेष कौशल कमजोर हो सकता है। इसका असर आगे चलकर पढ़ने-लिखने और समझने की क्षमता पर भी दिखता है। इसी सीमित दृश्य संसार में प्रवेश करती है ह्लडूम स्व्रॉलिगह्ल यानी नकारात्मक, डराने वाली और संकट से भरी सूचनाओं को बिना रुके देखते जाना महामारी, युद्ध, अपराध और आपदाओं की लगातार तस्वीरें बच्चों और किशोरों के मन में यह भावना बैठा देती हैं कि दुनिया असुरक्षित और भयावह है। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार, इस तरह की आदत चिता, अवसाद और मानसिक थकान बढ़ाती है। चिंतित दिमाग न तो ध्यान वेंद्रित कर पाता है और न ही नई जानकारी को ठीक से याद रख पाता है। इसके विपरीत हाल के वर्षो में ह्लब्लूम-स्व्रॉलिगह्ल की अवधारणा सामने आई है, यानी सकारात्मक, प्रेरक और ज्ञानवर्धक सामग्री को चुनकर देखना सही तरीके से अपनाया जाए, तो यह बच्चों में जिज्ञासा, आशावाद और रचनात्मक सोच को बढ़ा सकता है। लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश डिजिटल मंच बच्चों को सोच-समझकर चुनने की बजाय लगातार सॉल करते रहने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

भारत के कुल सिरेमिक निर्यात में 90% हिस्सेदारी के साथ मोरबी बना भारत की 'सिरेमिक राजधानी'

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ सौराष्ट्र में मोरबी सिरेमिक क्लस्टर को विशेष जोन के रूप में पेश किया जाएगा

९ लाख लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार देता है मोरबी का सिरेमिक उद्योग

पॉलीपैक इंडस्ट्रीज के क्षेत्र में भी मोरबी बन सकता है गुजरात का अग्रणी जिला

गांधीनगर, 05 जनवरी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में गुजरात वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ-सौराष्ट्र के दूसरे संस्करण के लिए तैयार हो रहा है। 11 एवं 12 जनवरी, 2026 के दौरान राजकोट में होने वाली वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस कच्छ एवं सौराष्ट्र के हिस्से के रूप में राज्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। सिरेमिक उद्योग का अगुवा, गुजरात का मोरबी जिला आज भारत की सिरेमिक अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ बन गया है। गुजरात के कुल सिरेमिक उत्पादन में अकेले लगभग 90 फीसदी हिस्सेदारी के साथ मोरबी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सिरेमिक उत्पादन केंद्र है।

कुम्हार के चाक से वैश्विक सिरेमिक हब तक : मोरबी की उद्योग गाथा

मोरबी आज देश और दुनिया में सिरेमिक उद्योग का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। शुरूआत में यहां पारंपरिक तरीके से मिट्टी के मटके, दीये, खपरैल और घरेलू मिट्टी के बर्तन बनाए जाते थे। स्थानीय मिट्टी की गुणवत्ता और कारीगरों की कुशलता ने मोरबी के उत्पादों को एक नई पहचान दी। बाद में, वॉल क्लॉक (दीवार घड़ी) उद्योग की शुरूआत हुई।

समय के साथ-साथ, 1970-80 के दशक में रूफ टाइल्स और ग्लेज्ड टाइल्स का उत्पादन शुरू हुआ और धीरे-धीरे मोरबी आधुनिक सिरेमिक उद्योग की दिशा में आगे बढ़ा। नई टेक्नोलॉजी, उन्नत मशीनरी और उद्यमिता के दृष्टिकोण ने इस शहर को सिरेमिक उद्योग के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दी। आज मोरबी फ्लोर टाइल्स, वॉल टाइल्स और विट्रिफाइड टाइल्स के उत्पादन के लिए वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध है। मोरबी का सिरेमिक सफर परंपरा से प्रगति की ओर बढ़ने का बेजोड़ उदाहरण बन गया है।

गुजरात का मोरबी जिला बना भारत का सिरेमिक हब

रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ-सौराष्ट्र में मोरबी के सिरेमिक क्लस्टर की एक विशेष प्रदर्शनी होगी, जिसमें 'अद्यतन सिरेमिक्स', 'वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स', 'एनर्जी-एफिशिएंट टेक्नोलॉजी' और नए 'सिरेमिक पार्क' की प्रगति मुख्य आकर्षण होंगे। राज्य सरकार उद्योगों के लिए टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन, ऑटोमेशन, रिन्यूएबल एनर्जी, वेस्ट रिसाइकिलिंग और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। मोरबी के उद्यमियों के परिश्रम, सरकार की प्रभावी नीतियों और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता के कारण आज मोरबी भारत की 'सिरेमिक राजधानी' बन गया है।

मोरबी का सिरेमिक उद्योग लगभग 9 लाख लोगों को देता है रोजगार

मोरबी जिले का सिरेमिक क्लस्टर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सिरेमिक उत्पादों का उत्पादन करने वाला क्लस्टर है। मोरबी जिले में लगभग 1200 सिरेमिक इकाइयां हैं, जिनका कुल सालाना उत्पादन लगभग 60 लाख टन है। ये इकाइयां करीब 9 लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान करती हैं।

गत दो वर्षों के दौरान लाभार्थियों को मिला विभिन्न सरकारी सहायता योजना का लाभ

मोरबी जिले में गत दो वर्षों के दौरान राज्य सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी सहायता योजनाओं के तहत व्यापक और प्रभावी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जो जिले के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम सिद्ध हो रही है। राज्य सरकार की विभिन्न औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान लगभग 2200 से अधिक लाभार्थियों को सीधे 115 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता पहुंचाई गई है। इस सहायता से मोरबी जिले के नागरिकों को स्वरोजगार, उद्योग, जीवन स्तर में सुधार और आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ने के नए अवसर मिले हैं, जो राज्य सरकार की जनकल्याण की प्रतिबद्धता और सर्वांगीण विकास के दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित करता है।

भारत के कुल सिरेमिक निर्यात में लगभग 80 से 90 फीसदी का योगदान

मोरबी का सिरेमिक उद्योग वैश्विक बाजार में गुजरात तथा भारत की मजबूत पहचान बन रहा है। अनुमान के मुताबिक वर्ष 2024-25 के दौरान मोरबी से लगभग 15,000 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ। खास बात यह है कि अकेला मोरबी भारत के कुल सिरेमिक निर्यात में 80 से 90 फीसदी का योगदान देता है। यहां बनाए जाने वाले उच्च गुणवत्ता के सिरेमिक टाइल्स और संबंधित उत्पादों को मुख्य रूप से अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ओमान और श्रीलंका जैसे देशों में निर्यात किया जाता है, जो मोरबी की वैश्विक विश्वसनीयता और 'मेड इन इंडिया-मेड इन गुजरात' ब्रांड की मजबूत स्थिति को साफ तौर पर उजागर करता है।

पॉलीपैक उद्योग के क्षेत्र में भी मोरबी बन सकता है राज्य का अग्रणी जिला

गुजरात का मोरबी जिला सिरामिक क्षेत्र की तरह ही पॉलीपैक उद्योग के क्षेत्र में भी निकट भविष्य में राज्य का एक अग्रणी जिला बन सकता है। अभी मोरबी जिले में पीपी (पॉलीप्रोपाइलिन) वूवन प्रोडक्ट की कुल 150 इकाइयां कार्यरत हैं। मोरबी का पॉलीपैक उद्योग अभी सालाना लगभग 5 लाख मीट्रिक टन पीपी वूवन फैब्रिक का उत्पादन करता है, जिसका कुल सालाना टर्नओवर लगभग 5500 करोड़ रुपए है। पॉलीपैक उद्योग आज मोरबी के लगभग 25 से 20 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता है।

भारत के वॉल क्लॉक उत्पादन में मोरबी जिले की बड़ी हिस्सेदारी

सिरेमिक तथा पॉलीपैक के जैसे ही वॉल क्लॉक और गिफ्ट आर्टिकल उद्योग भी मोरबी में बड़े पैमाने पर विकसित हुआ है। भारत के वॉल क्लॉक उत्पादन में मोरबी जिले के वॉल क्लॉक तथा गिफ्ट आर्टिकल उद्योग की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। मोरबी जिले में वॉल क्लॉक की लगभग 150 से 200 इकाइयां हैं। ये उद्योग करीब 10 से 12 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार प्रदान करते हैं, जिनमें से 60 फीसदी महिलाएं हैं।

खाटू श्याम पर लॉरेंस बिश्नोई की नजर! कोषाध्यक्ष के बेटे से ₹3 करोड़ की रंगदारी मांगी

(जीएनएस)।

दुनियाभर में श्याम भक्तों की गहरी आस्था से जुड़े खाटू श्यामजी मंदिर ट्रस्ट पर अब खतरनाक लॉरेंस बिश्नोई गैंग की नजर है। इस मंदिर को देश-दुनिया के भक्तों से चढ़ावा और दान मिलता है। मंदिर के पूर्व कोषाध्यक्ष के बेटे को इंटरनेशनल नंबर से धमकी भरा कॉल आया है। कुख्यात गैंग के नाम पर रंगदारी की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। खाटू श्याम मंदिर समिति के पूर्व कोषाध्यक्ष कालू सिंह के पुत्र मानवेंद्र सिंह चौहान ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

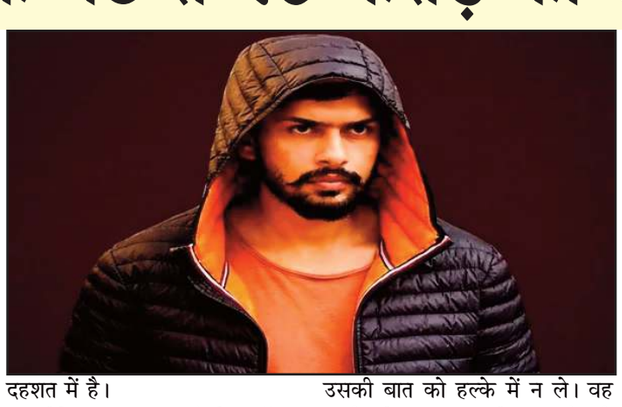

शिकायतकर्ता ने बताया कि रंगदारी की कॉल करनेवाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया और तीन करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। इतना ही नहीं यह भी धमकी दी है कि अगर समय पर पैसे नहीं दिए, तो खतरनाक अंजाम भुगतना पड़ सकता है। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार

दहशत में है।

पीड़ित का कहना है कि कॉलर का लहजा और अंदाज बेहद आक्रामक था। उसने खुद को खतरनाक गैंग से जुड़ा हुआ बताया और परिवार के सदस्यों की डिटेल भी शेयर की। पीड़ित का कहना है कि कॉलर ने परिवार के सदस्यों की रुटीन और आने-जाने की डिटेल की निगरानी की भी बात कही थी। बदमाश ने धमकी देते हुए कहा कि उसकी बात को हल्के में न ले। वह पहले भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दे चुका है।

– पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, बीते एक साल में सीकर जिले में 10 से ज्यादा लोगों को इसी तरह की रंगदारी की धमकियां मिल चुकी हैं।

– अधिकतर मामलों में बदमाश विदेशी नंबरों या सोशल मीडिया ऐप्स के जरिए खुद को बड़े गैंग से जुड़ा बताकर डराने की कोशिश करते हैं।

इस वर्ष राजकोट में आयोजित होने वाली दूसरी वाइब्रेंट गुजरात

– पुलिस का मानना है कि कई मामलों में यह साइबर अपराधी या स्थानीय बदमाश हो सकते हैं। शरारत के लिए कुख्यात गैंग के नाम का इस्तेमाल कर लोगों को भयभीत करने की कोशिश भी हो सकती है। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

पुलिस ने दर्ज किया केस, जांच में जुटी

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हमने केस दर्ज कर लिया है और मामले की पड़ताल चल रही है। तकनीकी साक्ष्य और संभावित नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की धमकी भरी कॉल या संदिग्ध संदेश मिलने पर घबराएं नहीं। ऐसी किसी भी कॉल पर साइबर सेल और पुलिस को सूचना दें। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है

1 फरवरी को नहीं पेश होगा इस बार का बजट? डेट को लेकर सस्पेंस?

(जीएनएस)।

वित्त वर्ष 2026-27 के आगामी आम बजट को लेकर देशभर में चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस बार उत्सुकता केवल नई योजनाओं को लेकर नहीं, बल्कि बजट (वल्लङ्गल्ल इ४ॅीि३ 2026) पेश होने की तारीख को लेकर भी है। दरअसल, साल 2026 में 1 फरवरी को रविवार पड़ रहा है, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है।

सवाल ये है कि क्या संसद की कार्यवाही छुट्टी के दिन होगी या इसे 2 फरवरी, सोमवार के लिए टाला जाएगा? इसके अलावा, उसी दिन गुरु रविदास जयंती भी है, जो दिल्ली सहित कई राज्यों में एक प्रतिबंधित अवकाश है। इससे जुड़े तमाम सवालों के जवाब हम आपके लिए लेकर आए हैं।

1 फरवरी की तारीख पर क्यों बना है संशय?

भारत में बजट पेश करने की परंपरा में 2017 में बड़ा बदलाव आया था। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बजट को फरवरी के अंत के बजाय 1 फरवरी को पेश करने की शुरूआत की थी। इस बार 1 फरवरी 2026 को रविवार होने के कारण दो संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है:

संडे बजट: संसदीय परंपराओं के अनुसार, विशेष परिस्थितियों में संसद की बैठक रविवार को बुलाई जा सकती है। 1999 में यशवंत सिन्हा ने रविवार (28 फरवरी) को बजट पेश किया था।

2 फरवरी का विकल्प: यदि कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंट्री अफेयर्स (CCPA) फैसला लेती है, तो इसे सोमवार तक के लिए बढ़ाया जा सकता है।

बजट 2026 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। यदि वह इस बार बजट पेश करती हैं, तो वे लगातार 9 बार बजट पेश करने वाली देश की पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी।

मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड: पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने कुल 10 बार बजट पेश किया था, लेकिन उन्होंने यह दो अलग-अलग कार्यकालों (1959-64 और 1967-69) में किया था।

लगातार बजट: निर्मला सीतारमण अब तक लगातार 8 बजट (एक अंतरिम सहित) पेश कर चुकी हैं। इस साल का बजट उन्हें पी. चिदंबरम (9 बजट) और प्रणब मुखर्जी (8 बजट) जैसे दिग्गजों की फेहरिस्त में सबसे ऊपर ले आएगा।

छुट्टी के दिन बजट, क्या कहता है इतिहास?

वीकेंड पर बजट पेश करना केंद्र सरकार के लिए नई बात नहीं है। मोदी सरकार ने पहले भी कई बार छुट्टी या शनिवार के दिन बजट पेश कर अपनी प्रतिबद्धता जताई है:

2025 का बजट: शनिवार को पेश किया गया था।

2015 और 2016 का बजट: अरुण जेटली ने शनिवार, 28 फरवरी 2015 और 29 फरवरी 2016 को पेश किया था।

ब्रिटिश काल की परंपरा: जानकारों के अनुसार, रविवार को सदन की कार्यवाही चलाने की जड़ें ब्रिटिश काल से जुड़ी हैं, इसलिए तकनीकी रूप से इसमें कोई बाधा नहीं है।

बजट 2026 से क्या हैं बड़ी उम्मीदें?

यह मोदी सरकार 3.0 का दूसरा पूर्ण बजट होगा, इसलिए बाजार और आम जनता की नजरें कई अहम मुद्दों पर टिकी हैं:

महिला सशक्तिकरण: जन धन खातों के जरिए महिलाओं को अधिक ऋण (Credit) और बीमा सुविधा देने की योजना।

इनकम टैक्स: मध्यम वर्ग को टैक्स स्लैब में बदलाव या छूट की उम्मीद।

ग्रामीण विकास: कृषि और स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के लिए विशेष आवंटन।

आधिकारिक घोषणा का इंतजार

संसद के बजट सत्र की तारीखों का औपचारिक ऐलान जल्द ही किया जाएगा। वित्त मंत्रालय में 'हलवा समारोह' के साथ बजट की छपाई की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके बाद ही अंतिम तारीख पर आधिकारिक मुहर लगेगी। फिलहाल, सरकार की सभी तैयारियां 1 फरवरी की समयसीमा को ध्यान में रखकर ही की जा रही हैं।

पटना में रोड पर थूकने वाले देंगे जुमार्ना, चौराहे पर लगेगी फोटो, पेशाब करने पर भी एक्शन

(जीएनएस)। अगर आप बिहार पटना में रहते हैं या यहां आते-जाते हैं, तो अब यह खबर आपके लिए जरूरी है। सड़क पर पान-गुटखा खाकर थूकना या सार्वजनिक जगहों पर पेशाब करना अब मामूली बात नहीं रही। नीतीश सरकार और पटना नगर निगम ने मिलकर ऐसे लोगों के लिए ऐसा "इलाज" तय किया है, जिसे सुनकर ही कई लोग संभल जाएंगे। जुमार्ना भी लगेगा और इज्जत भी दांव पर होगी।

पटना को साफ-सुथरा और रहने लायक शहर बनाने की दिशा में पटना नगर निगम ने सख्त फैसला लिया है। सड़क, फ्लाईओवर, चौराहा या कोई भी सार्वजनिक जगह हो, अगर कोई थूकते या गंदगी फैलाते पकड़ा गया, तो तुरंत कार्रवाई होगी। इस फैसले का मकसद पटना को सिंगापुर जैसे स्वच्छ शहर की दिशा में आगे बढ़ाना है।

ढं३ल्लं रस्र३३ल्लॅ फ४ी

पटना में थूकते पकड़े गए तो 500 रुपये जुमार्ना, फोटो होगी सार्वजनिक

नगर आयुक्त सह पटना स्मार्ट

सिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक यशपाल मीणा के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अब अगर कोई व्यक्ति खुले में पान, गुटखा या तंबाकू खाकर थूकते हुए पकड़ा गया, तो उससे मौके पर ही 500 रुपये का जुमार्ना वसूला जाएगा।

इतना ही नहीं, ऐसे व्यक्ति की तस्वीर शहर के प्रमुख चौराहों पर लगी वैरिएबल मैसेज डिस्प्ले (श्टऊ) स्क्रीन पर दिखाई जाएगी। यानी अब गंदगी फैलाने वालों को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ेगा। नगर निगम ने ऐसे लोगों को सीधे तौर पर "नगर शत्रु" यानी शहर का दुश्मन घोषित किया है।

पेशाब करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई

सिर्फ थूकने वालों पर ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब करने वालों पर भी अब शिकंजा कसा जाएगा। नगर निगम की प्रवर्तन टीमों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि खुले में पेशाब करते पाए जाने पर तुरंत जुमार्ना लगाया जाए।

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की हरकतों से शहर के कई इलाके रेड स्पॉट बन चुके हैं, जिससे न सिर्फ गंदगी बढ़ती है, बल्कि आम लोगों की सेहत पर भी असर पड़ता है।

3300 CCTV कैमरों से 24 घंटे नजर

इस पूरे अभियान की रीढ़ है पटना स्मार्ट सिटी का इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC)Ü शहर के करीब 415 स्थानों पर 3300 से ज्यादा CCTV कैमरे लगाए गए हैं, जो 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं।

इन कैमरों के जरिए थूकने, कूड़ा फैलाने या सार्वजनिक स्थानों को गंदा करने वालों की पहचान की जाएगी। कउउउ से सीधे निर्देश देकर ऐसे "नगर शत्रुओं" की तस्वीरें श्टऊ स्क्रीन पर चलवाई जाएंगी।

सब-वे में कार्रवाई, 250 लोगों से वसूला गया जुमार्ना

नगर निगम की सख्ती सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं है। हाल ही में मल्टी मॉडल हब से पटना जंक्शन को जोड़ने वाली अंडरग्राउंड सब-वे में विशेष अभियान चलाया गया।

इस दौरान खुले में थूकने के मामले में करीब 250 लोगों से जुमार्ना वसूला गया। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज किया जाएगा, ताकि लोग आदत सुधारें और शहर साफ रहे।

बांग्लादेश में इस पार्टी की बन सकती है सरकार, ओपिनियन पोल से बढ़ी यूनुस की टेंशन

(जीएनएस)।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले 13वें आम चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी चरम पर है। कड़ाके की ठंड के बीच जारी ताजा ओपिनियन पोल ने देश के राजनीतिक भविष्य की एक स्पष्ट तस्वीर पेश की है। सर्वे के चौंकाने वाले नतीजों के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग के पतन के बाद अब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करती दिख रही है।

करीब 70 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन हासिल कर इठढ ने अपने प्रतिद्वंद्वी जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ दिया है। यह चुनाव न केवल बांग्लादेश, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की भू-राजनीति के लिए निर्णायक साबित होने वाला है।

एमिनेंस एसोसिएट्स द्वारा कराए गए मेगा सर्वे ने सत्ता के गलियारों में हलचल मचा दी है। देश के सभी 300 संसदीय क्षेत्रों में हुए इस पोल के मुताबिक, 70 प्रतिशत जनता इठढ के साथ खड़ी है, जबकि कट्टरपंथी विचारधारा वाली जमात-ए-इस्लामी मात्र 19 प्रतिशत पर सिमटती दिख रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि आवामी लीग के पारंपरिक वोट बैंक में भी बड़ी सेंध लगी है। उनके 60 प्रतिशत पुराने समर्थक अब इठढ की ओर रुख कर चुके हैं, जो पार्टी की ऐतिहासिक जीत का संकेत है।

तारिक रहमान की ताजपोशी और चुनावी शंखनाद

पार्टी के कार्यवाहक नेता तारिक रहमान के लिए यह समय संजीवनी जैसा है। ओपिनियन पोल के सकारात्मक रुझानों के बीच BNP उन्हें औपचारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की तैयारी पूरी कर चुकी है। महासचिव फखरुल इस्लाम आलमगीर ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही इसकी घोषणा होगी। राजनीतिक विरासत को संभालते हुए तारिक रहमान अपना चुनावी अभियान सिलहट से शुरू करेंगे, जो उनकी मां खालिदा जिया का पारंपरिक गढ़ रहा है। इस कदम को समर्थकों को एकजुट करने के भावनात्मक कार्ड के रूप में देखा जा रहा है।

अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार को उखाड़ फेंकने वाले छात्र आंदोलन से भारी उम्मीदें थीं, लेकिन चुनावी मैदान में वे फीकी पड़ती दिख रही हैं। आंदोलन से निकली 'नेशनल सिटिजन्स पार्टी' (NCP) को सर्वे में मात्र 2.6 प्रतिशत लोगों का साथ मिला है। यह नतीजे बताते हैं कि सड़कों पर दिखने वाला जन-आक्रोश हमेशा स्थायी राजनीतिक समर्थन में नहीं बदलता। बांग्लादेश की जनता फिलहाल नए प्रयोगों के बजाय स्थापित और अनुभवी नेतृत्व (BNP) पर अधिक भरोसा जताती नजर आ रही है।

बांग्लादेश का यह चुनाव केवल घरेलू बदलाव नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन का भी मामला है। शेख हसीना के भारत के साथ करीबी रिश्तों के बाद, अब इठढ की संभावित वापसी नई दिल्ली और बीजिंग दोनों के लिए कूटनीतिक चुनौतियां और अवसर लेकर आएगी। आवामी लीग के बिखराव और जमात-ए-इस्लामी की सीमित बढ़त के बीच, 12 फरवरी को होने वाला मतदान यह तय करेगा कि बांग्लादेश लोकतंत्र की राह पर आगे बढ़ेगा या धार्मिक कट्टरवाद और राजनीतिक अस्थिरता के एक नए दौर में प्रवेश करेगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

डीजीपी/एसपी ने समाधान दिवस पर कलीनगर तहसील में जन शिकायतें सुनीं,भूमि विवादों में राजस्व-पुलिस संयुक्त टीम के निर्देश दिए

(जीएनएस)।

पीलीभीत।सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक (DIG/SP) पीलीभीत ने तहसील कलीनगर में पहुंचकर जनता की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने विभिन्न शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। विशेष रूप से भूमि विवादों के मामलों में राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर निष्पक्ष जांच व कार्यवाही करने का आदेश जारी किया गया।

इस अवसर पर रढ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जन शिकायतों का निपटारा निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए तथा कोई भी मामला लंबित न रहे। भूमि विवादों को लेकर ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही परेशानियों का समाधान करने के लिए राजस्व और पुलिस टीमों के समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ ही सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान हो, ताकि आम जनता को न्याय मिल सके।

कलीनगर तहसील में आयोजित इस समाधान दिवस में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए, जिन्होंने अपनी समस्याएं रढ के समक्ष रखीं। रढ ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के आदेश भी जारी किए। यह आयोजन जिला प्रशासन की जनोन्मुखी नीति का हिस्सा है, जो समय-समय पर आयोजित होकर आम लोगों की परेशानियों का निवारण करता है।

मुख्य मार्ग पर पाकड़ का पेड़ बना खतराः कल्यानपुर पुलिया चौड़ीकरण के बाद पीडब्लूडी की अनदेखी

(जीएनएस)।

पीलीभीत,गजरौला थाना क्षेत्र में माधोटांडा-पीलीभीत रोड पर स्थित कल्यानपुर नौगवां पुलिया के चौड़ीकरण कार्य के बाद मुख्य मार्ग के बीचोंबीच एक बड़ा पाकड़ का पेड़ आ गया है।

इस पेड़ के कारण वाहनों को आने-जाने में भारी खतरा बना हुआ है और अब तक कई सड़क हादसे हो चुके हैं।

स्थानीय लोगों की शिकायतें और ढहऊ की लापरवाहीः

स्थानीय ग्राम प्रधान पति शांति स्वरूप सोनकर ने इस खतरनाक स्थिति को लेकर लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) से कई बार शिकायत की, लेकिन विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया चौड़ीकरण के दौरान पेड़ को ध्यान में नहीं रखा गया, जिससे सड़क का मध्य भाग संकरा हो गया है।

इस उदासीनता से लोगों में भारी रोष व्याप्त है और वे चिंतित हैं कि किसी बड़े हादसे का कारण न बन जाए।

अब तक हुए हादसे और खतरे की आशंकाः

इस क्षेत्र में पाकड़ के पेड़ से जुड़े हादसे पहले भी हो चुके हैं, जैसे गजरौला-पीलीभीत हाईवे पर बस का पेड़ से टकराना।

माधोटांडा रोड पर पुलिया संबंधी समस्याएं पहले से ही चर्चा में हैं, जहां बाढ़ और निर्माण कार्यों से आवागमन प्रभावित रहा है

विशेषज्ञों के अनुसार, सड़क चौड़ीकरण में वृक्षों की स्थिति का आकलन अनिवार्य होता है, लेकिन यहां ढहऊ की लापरवाही साफ दिख रही है।

विभाग का जवाब और आश्वासन

ढहऊके जूनियर इंजीनियर (खए) नवनीत सकीना ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं था। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने के बाद पेड़ को तत्काल हटाने की व्यवस्था की जाएगी।

स्थानीय लोग अब खए के आश्वासन पर भरोसा कर रहे हैं, लेकिन त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

ग्रामीणों की मांगें

- पेड़ को 24 घंटे के अंदर हटाने की कार्रवाई हो।
- सड़क सुरक्षा के लिए बैरियर और साइन बोर्ड लगाए जाएं
- ढहऊ द्वारा नियमित निरीक्षण और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।

यह घटना पीलीभीत में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाती है, जहां हाल ही में करोड़ों की सड़कें जर्जर हो चुकी हैं।

जागरूक नागरिकों से अपील है कि ऐसी समस्याओं की सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें।

सुनगढ़ी पुलिस ने मिशन शक्ति-5 के तहत थाना क्षेत्रान्तर्गत व्यापक भ्रमण कर बालिकाओं व महिलाओं को किया जागरूक

(जीएनएस)।

पीलीभीत। DIG/एसपी पीलीभीत के निर्देशन में चल रहे मिशन शक्ति-5 अभियान के तहत थाना सुनगढ़ी पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत व्यापक भ्रमण कर बालिकाओं व महिलाओं को जागरूक किया गया।

पुलिस टीम ने मोहल्लों व सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिला सम्बन्धी अपराधों, छेड़खानी, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, स्टॉकिंग आदि से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिला व पुरुष पुलिसकर्मियों ने प्रतिभागी बालिकाओं/महिलाओं को साइबर अपराधों के बढ़ते खतरों के बारे में भी विस्तार से बताते हुए सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से चैट, फर्जी आईडी, ओटीपी, लिंक व बैंकिंग जानकारी साझा न करने की सलाह दी।

उन्हें महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन सहित अन्य हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए किसी भी प्रकार की घटना या शंका की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया।

सुनगढ़ी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस जनजागरूकता अभियान का उद्देश्य क्षेत्र की बालिकाओं व महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उनके अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाना तथा उन्हें कानूनी व साइबर सुरक्षा संबंधी बुनियादी जानकारी उपलब्ध कराना है

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति-5 के तहत इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी निरंतर रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि हर स्तर पर महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण को मजबूती दी जा सके।

घायल मगरमच्छ की जान बचाई, गौ सेवा टीम और वन विभाग ने किया सराहनीय कार्य

(जीएनएस)।

पीलीभीत,उदय करणपुर,उदय करणपुर के निवासी दीदार सिंह ने सुबह 8 बजे गणेश जी, गोपाल जी एवं ठाकुर शिवम भदोरिया को सूचना दी कि उनके खेत में नहर से एक घायल मगरमच्छ लेटा हुआ है। सूचना मिलते ही ठाकुर शिवम भदोरिया, गणेश जी, गोपाल जी एवं जंगली जानवरों में रुचि रखने वाले अदनान खान मौके पर पहुंचे।

प्राथमिक उपचार और वन विभाग को सूचना

मौके पर मगरमच्छ की जख्मी हालत देखकर टीम ने तत्काल वन विभाग पूरनपुर को सूचना दी। सभी ने मिलकर बीटाडिन स्प्रे से जख्म साफ किए और मगरमच्छ को पिंजरे में बंद कर वन विभाग को सौंप दिया। डॉक्टर अमरेश गंगवार के साथ वन विभाग पहुंचने पर मगरमच्छ के जीव और मुंह के खराब हिस्से को काटा गया तथा बचे मुंह पर बैंडेज की गई।

निरंतर इलाज और रिहाई की योजना

टीम ने मुंह साफ कर दवाइयां लगाईं और रात में हाथ से खाना खिलाया। ठाकुर शिवम भदोरिया ने बताया कि जब तक मगरमच्छ पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जाता, रोज सुबह-शाम डॉक्टर अमरेश गंगवार के साथ उनका इलाज किया जाएगा। स्वस्थ होने पर वन विभाग उसे जंगल में आजाद करेगा तथा विभाग खाने-पीने की जिम्मेदारी निभा रहा है।

विशेष सहयोगकर्ता

- ठाकुर उद्देश्य सिंह जादौन, अदनान खान, कपिल सर, सुरेश सर, गणेश जी, गोपाल जी, दीदार सिंहवन विभाग पूरनपुर
- ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया गौ सेवा टीम पूरनपुर
- राष्ट्रीय बजरंग दल पूरनपुर
- अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या, कौन था ये युवक? जिसके सिर पर दिनदहाड़े कट्टपंथियों ने मारी गोली

दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बांग्लादेश के जशोर

जिले के मॉनिरामपुर उपज़िला में 5 जनवरी (सोमवार) को हिंदू युवक राणा प्रताप बैरागी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आगामी चुनावों से हफ़्तों पहले हुई इस वारादात के बाद वहां बसे हिंदुओं में दहशत और बढ़ गई है। पिछले तीन हफ्तों में बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के सदस्यों पर यह पांचवां जानलेवा हमला है, जिसने देश भर में जारी अशांति और विरोध प्रदर्शनों के बीच कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों व मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हमला कोपलिया बाजार के भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में हुआ। अज्ञात हमलावरों ने राहगीरों के सामने बैरागी को सिर पर गोली मारी। पुलिस ने मौत की पुष्टि की है, लेकिन गिरफ्तारी या मकसद का खुलासा नहीं किया, जिससे अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय में बेचैनी बढ़ी है।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले चुनावों के कारण, हिंदुओं पर हुए इन हमलों की श्रृंखला ने सबका ध्यान खींचा है। बैरागी की हत्या से पहले भी हिंदू नागरिकों के खिलाफ कई हिंसक वारदातें हुई थीं, जिससे सुरक्षा और राजनीतिक तनाव जनमाया है।

कौन था राणा प्रताप बैरागी?

राणा प्रताप बैरागी नरैल के दैनिक 'बीडी खोबोर' के कार्यकारी संपादक थे। उनका कोपलिया बाजार में एक बर्फ.फैक्टरी का व्यवसाय भी था, जहाँ गोलीबारी हुई। जांचकताओं ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया कि हत्या का कारण उनका काम, व्यवसाय या कोई अन्य मुद्दा था।

18 सितंबर को 27 वर्षीय दीपू की पीट-पीटकर की थी हत्या

18 दिसंबर को मयमनसिंह जिले के भालुका में 27 वर्षीय हिंदू गारमेंट वर्कर दीपू चंद्र दास की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस-मीडिया रिपोर्टों अनुसार, दास पर एक फैक्टरी कार्यक्रम में इस्लाम के बारे में अपमानजनक टिप्पणी का आरोप लगा था। एक बड़े समूह ने उन्हें पीटा, नग्न कर एक पेड़ से लटकाया और फिर शव को जला दिया।

हालांकि जांच में ईशनिंदा के इस आरोप को बेबुनियाद बताया। पुलिस ने लिंचिंग के संबंध में गिरफ्तारियाँ कीं। फिर भी, मानवाधिकार समूहों ने इसे उदाहरण माना कि कैसे अफवाहें और धार्मिक दावे, खासकर तनावपूर्ण राजनीतिक दौर में, अल्पसंख्यक व्यक्तियों के खिलाफ घातक भीड़ हिंसा भड़का सकते हैं।

अमरिया में राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार का जनसंपर्कः क्षेत्रवासियों से सौहार्दपूर्ण संवाद, समस्याओं का आश्वासन

(जीएनएस)।

पीलीभीत,अमरिया,उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने सोमवार को अमरिया क्षेत्र में ग्रामीणों के साथ सीधा जनसंपर्क स्थापित किया। उन्होंने क्षेत्रवासियों से सौहार्दपूर्ण संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और तत्काल समाधान का आश्वासन दिया। यह कार्यक्रम स्थानीय विकास और जनकल्याण को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

क्षेत्र के विभिन्न गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मंत्री जी के सम्मान में एकत्र हुए। संजय सिंह गंगवार ने सबसे पहले अमरिया के बाजार मैदान पर आयोजित सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, "सरकार की नीतियां जन-केंद्रित हैं। आपकी हर समस्या मेरा दायित्व है। भूमि विवाद, सड़क निर्माण, जलापूर्ति और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

"ग्रामीणों ने अपनी शिकायतें रखीं, जिनमें खराब सड़कों का मुद्दा प्रमुख था। एक बुजुर्ग किसान ने बताया, "हमारे गांव की सड़क वर्षों से टूटी पड़ी है, जिससे आने-जाने में भारी परेशानी होती है।" मंत्री जी ने तुरंत संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले 15 दिनों में मरम्मत कार्य प्रारंभ हो। इसी तरह, महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों के लिए अधिक प्रशिक्षण और ऋण सुविधा की मांग की, जिस पर गंगवार ने महिला सशक्तिकरण योजनाओं का विस्तार करने का वादा किया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री जी ने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, "पीलीभीत और शाहजहांपुर जिले में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस महकमे को सतत निर्देश दिए जा रहे हैं। कोई भी असामाजिक तत्व बख्शा नहीं जाएगा।" ग्रामीणों ने इस पर तालियां बजाकर समर्थन जताया।

संजय सिंह गंगवार ने अंत में क्षेत्रवासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे नियमित रूप से जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक, जिला प्रशासन के अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल प्रशासनिक दूरी को कम करने वाला था, बल्कि ग्रामीणों में उत्साह का

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराना ग्रामीण को पड़ा भारी, ग्राम प्रधान ने किया हमला

(जीएनएस)।

पीलीभीत। बीसलपुर क्षेत्र के एक गांव में मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने पर ग्राम प्रधान द्वारा एक ग्रामीण से मारपीट करने का मामला सामने आया है। प्रधान ने ग्रामीण को एससी-एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी भी दी। पुलिस ने आरोपी ग्राम प्रधान के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बसारा निवासी अतुल कुमार पुत्र पीताम्बर देव ने तहरीर में बताया कि उन्होंने 18 नवंबर को मुख्यमंत्री पोर्टल पर खलिहान की सार्वजनिक भूमि की माप कराने से संबंधित शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि इस भूमि पर वर्तमान ग्राम प्रधान प्रवीण कुमार पिंटू ने पक्का मकान बना रखा है।अतुल के अनुसार, शिकायत की जानकारी होने पर ग्राम प्रधान ने उन्हें धमकाया और गाली-गलौज की। विरोध करने पर प्रधान ने उनके साथ मारपीट भी की।बीसलपुर कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि तहरीर के आधार पर ग्राम प्रधान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की विवेचना की जा रही है।

प्रशस्ति पत्र देकर शिक्षक को किया सम्मानित

(जीएनएस)। **लखनऊ**

लखनऊ। भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा लखनऊ कार्यालय एक समारोह में रायबरेली के शिक्षक मोहम्मद वसीम को प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। कोई भी सफलता संघर्ष के बिना संभव नहीं है' संघर्ष से सीखना व्यक्ति में आत्मविश्वास का भाव पैदा करता है इससे नई क्षमताएं विकसित होती हैं। और समस्याओं को सुलझाने के नए तरीके सृजित होते हैं ' जब हम किसी मुश्किल परिस्थिति का सामना करते हैं तो हमें अपनी सीमाओं और क्षमताओं का बेहतर आकलन करने का मौका मिलता है' इस तरह हम अपने भीतर की शक्ति को पहचानते हैं और पाते हैं की चुनौतियों का सामना कैसे किया जा सकता है' यह विचार मोहम्मद वसीम प्रधान अध्यापक प्राथमिक विद्यालय गौवा बाजार सलोन ने लखनऊ में सत्र 2024- 25 में निपुण विद्यालय होने पर आयोजित कार्यक्रम के सुअवसर पर माननीय अमील शम्सी प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ भाजपा उत्तर प्रदेश के कर कमलोद्वारा निपुण विद्यालय प्रशस्ति पत्र मिलने के बाद कहे' अमील शम्सी ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों कर्मचारियो को समय-समय पर उनके द्वारा किए गए नए प्रयासों के लिए सम्मानित करती है' मोहम्मद

वसीम को सम्मान मिलने के पश्चात सलोंन के शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए मंत्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है तथा मोहम्मद वसीम को बधाई दी है' बधाई देने वालों में अध्यक्ष एवं मंत्री प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ, सेवानिवृत्त शिक्षक संगठन के साथ-साथ समाजसेवी भी शामिल हैं। विशेष रूप से मोहम्मद इस्माइल खान, अजय सिंह,सै० साजिद अली जैदी, बीना, बबली गुप्ता, लालता प्रसाद, हर्ष बहादुर सिंह तलत एजाज, पूर्व सभासद इसरार हैदर रानू, इरफान सिद्दीकी, शरीफ रायनी ,राजेश मिश्र, गौरव शर्मा, मोहम्मद कासिम हुनर, अब्दुल वहाब, मौलाना इनायत उल्लाह, अबुल हसन, माहताब खान, महफूज हक आदि ने मोहम्मद वसीम की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है'

गन्ने से भरी ट्रॉली पलटीः जमुनिया महुआ के पास सड़क खराब होने से हादसा टला

(जीएनएस)।

पीलीभीत,दियोरिया कलां

क्षेत्र के गांव जमुनिया महुआ में सोमवार सुबह गन्ने से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। यह घटना गांव के पश्चिम में मुख्य सड़क पर हुई। हादसे में कोई जनहानि या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जसूपुर गांव निवासी किसान लालता प्रसाद अपने खेत से गन्ना भरकर क्रय केंद्र पर तौल के लिए जा रहे थे। सुबह करीब दस बजे जमुनिया महुआ के पश्चिमी मुख्य सड़क पर अचानक ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई।

किसान लालता प्रसाद ने बताया कि सड़क की मरम्मत के लिए ठेकेदार ने उसे उखाड़ दिया था। इसी खराब सड़क के कारण ट्रॉली पलटी। घटना से लगभग आधे घंटे तक बड़े वाहनों का आवागमन बाधित रहा, जबकि बाइक सवार निकलते रहे।

मुख्यमंत्री के आदेश को ठेंगा दिखाते एलडीए के जिम्मेदार अधिकारी और बिल्डर

बड़े बिल्डर के आगे विकास प्राधिकरण के अधिकारी नतमस्तक

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ क्षेत्र में बिल्डर और एलडीए के क्षेत्रीय अधिकारियो की सांठगांठ से जोन 7 में थाना सहादतगंज, बाउली चौकी पत्थरकटा मस्जिद के पास तिराहे पर मॉडल शॉप के पहले उसी के बगल मे हो रहा है बेसमेंट के साथ अवैध कामर्शियल बिल्डिंग का निर्माण कार्य आप को बताते चलें की बेसमेंट के साथ बनकर तैयार हो रहा है ये निर्माण। बिना सीटबैक छोड़े बनाया गया साथ ही उसमे 4 स्लेप भी डाल दी है निर्माण लगभग बनकर तैयार है जोकि मानक के विपरीत है अवैध रूप से बेसमेंट खोद कर मार्किट बनकर तैयार हो रही है। साथ मे उसी के ऊपर मकान भी एलडीए द्वारा कार्यवाही के नाम पर कुछ नहीं किया जाता। लखनऊ विकास प्राधिकरण के नियमो को ताख पर रखकर हुए अवैध निर्माण के एवज में ये माना जाए कि उठी है मोटी रकम। अवैध रूप से निर्माण कार्य पूरा होते समय विभागीय जिम्मेदार बने रहते है मूक दर्शक अवैध रूप से खड़ा हो रहा यह निर्माण दे रहा विकास प्राधिकरण के नियमो को चुनौती। इस तरह से हो रहे अवैध निर्माण का कौन है जिम्मेदार? और किसकी है जवाब देही या फिर इनको उच्च अधिकारियों का प्राप्त है संरक्षण अब देखने वाली बात यह होगी कि इस अवैध निर्माण पर होती है कोई कार्रवाई या ऐसे ही बनकर तैयार हो जाएगी मार्केट।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, पुलिस भर्ती में आयु सीमा पर तीन साल की राहत

32,679 पदों पर सीधी भर्ती में सभी वर्गों को आयुसीमा में छूट
उत्तर प्रदेश में युवाओं के हित में फिर आगे आई योगी सरकार

लखनऊ, 5 जनवरीः उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती-2025 के लिए अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है।

लाखों युवाओं को होगा लाभ

सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को भरे जाने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), आरक्षी पीएसी/सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरुष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए प्रदान किया जाएगा।

सरकार द्वारा यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992 के नियम-3 के आलोक में लिया गया है। यह फैसला 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में 5 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो रहे थे।

युवाओं के हित में योगी आदित्यनाथ सरकार

योगी सरकार का यह कदम साफ संदेश देता है कि प्रदेश की सरकार युवाओं की वास्तविक समस्याओं को समझती है और समाधान के लिए ठोस फैसले लेने से पीछे नहीं हटती। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को न्यायसंगत अवसर देना, रोजगार के अधिक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराना और प्रशासनिक निर्णयों में संवेदनशीलता बनाए रखना योगी सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है। पुलिस भर्ती में आयु सीमा शिथिलीकरण का यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं की उम्मीदों को नया बल देगा, बल्कि यह भी दशार्ता है कि योगी आदित्यनाथ सरकार में युवाओं का भविष्य नीति निर्धारण के केंद्र में है।

एसजीओ और कोतवाली पुलिस की बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़

मैनपुरी (जीएनएस)।

लूट के आरोप में फरार आरोपियों से पुलिस की मुठभेड़

बदमाशों ने पुलिस पर कई राउंड की फायर

पुलिस ने आत्मरक्षा के बचाव में बदमाशों के पैर में मारी गोली

पुलिस ने आरोपी के पास से अवैध तमंचा और बाइक भी की बरामद

पकड़े गए आरोपी के पास से कारतूस भी हुए बरामद

आरोपी पर 2 दर्जन से अधिक कई मामले है दर्ज

शहर कोतवाली के नवादा के पास हुई मुठभेड़

मकर संक्रांति के अवसर परहरिग्टनगंज के ग्राम सत्येन्द्र नगर खड़भड़िया में 50वें मेले का आयोजन

अयोध्या 05 जनवरी 2026 (सू0वि0):-मुख्य विकास अधिकारी श्री कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि मकर संक्रांति के अवसर पर विकास खण्ड हरिग्टनगंज के ग्राम सत्येन्द्र नगर खड़भड़िया में 50वें मेले का आयोजन दिनांक 13 से 22 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है, जिसमें जनपद के जनकल्याणकारी संबंधित विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाना सुनिश्चित किया जायेंगा, जिससे संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार हो सकें और शासन द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल्याण सिंह 'बाबूजी' की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल 'पद्म विभूषण' कल्याण सिंह 'बाबूजी' की जयंती के अवसर पर आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'बाबूजी' का कार्यकाल सुशासन, विकास और राष्ट्रवादी मिशन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सदैव स्मरण किया जाएगा। उन्होने अपने नाम को उत्तर प्रदेश के 'कल्याण' से जोड़कर निरंतर सार्थक किया। उनकी पावन स्मृतियों को नमन!

5 लाख रुपए दो नहीं तो अश्लील वीडियो... महिला को ड्राइवर पर भरोसा करना पड़ा भारी

(जीएनएस)।

लखनऊ के राजाजीपुरम इलाके से ब्लैकमेलिंग और धमकी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। एक महिला ने अपने पूर्व ड्राइवर पर अश्लील फोटो-वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने, चोरी करने और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप...

नेशनल डेस्कः लखनऊ के राजाजीपुरम इलाके से ब्लैकमेलिंग और धमकी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। एक महिला ने अपने पूर्व ड्राइवर पर अश्लील फोटो-वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने, चोरी करने और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोपी महिला से 5 लाख रुपये की मांग कर रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी हनुमान सिंह, जो राजस्थान का निवासी है, पिछले ढाई से तीन साल से उनके यहां ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था। इस दौरान उसका घर में आना-जाना बना रहा। महिला का आरोप है कि वेतन के अलावा आरोपी ने अपनी मां के कैंसर इलाज का हवाला देकर उनसे करीब 5 लाख रुपये उधार लिए थे और किस्तों में लौटाने का भरोसा दिया था। कुछ समय पहले वह अचानक नौकरी छोड़कर गायब हो गया।

आरोपी के फरार होने के बाद जब घर का सामान चेक किया गया, तो सोने के जेवरात और लगभग 50 हजार रुपये नकद गायब मिले। पीड़िता को आशंका है कि यह चोरी भी उसी ने की है। इसके बाद आरोपी ने फोन कॉल के जरिए महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

पीड़िता का कहना है कि आरोपी धमकी दे रहा है कि उसके पास उनके अश्लील फोटो और वीडियो हैं, जिन्हें वह सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा, अगर 5 लाख रुपये नहीं दिए गए। इतना ही नहीं, आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे महिला और उसका परिवार दहशत में आ गया।

घटना से परेशान होकर पीड़ित परिवार ने तालकटोरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में थाना तालकटोरा के इंस्पेक्टर कुलदीप ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

पोस्टमॉर्टम कराने पहुंचे थे दरोगा, हार्ट अटैक ने पल भर में छीन ली जिंदगी

(जीएनएस)।

बदायूं में एक दर्दनाक मामला सामने आया है जहां पर पोस्टमॉर्टम हाउस पर सोमवार को सुबह दरोगा कुंवरपाल सिंह अचानक गिरकर बेहोश हो गए. कुछ ही पलों में उनकी मौत हो गई. बताया गया है कि हार्ट अटैक से उनकी जान गई है.

मौके पर मौजूद पुलिस कर्मी उनको बचाने के लिए सीपीआर देते रहे लेकिन उनको बचाया नहीं जा सका और उनकी मौत हो गई जिसके बाद हड़कंप मच गया दरोगा को टूटलरांट जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर उनको मृत घोषित किया गया है.

बदायूं के उझानी कोतवाली में तैनात दरोगा कुंवरपाल सिंह की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह सोमवार सुबह किशोरी के शव का पोस्टमॉर्टम कराने के सिलसिले में मोर्चरी पर पहुंचे थे.उसी दौरान वह अचानक जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए. वहां मौजूद साथी सिपाहियों ने तुरंत उन्हें सीपीआर दिया, लेकिन उनकी सांसें नहीं लौट सकीं.

दरोगा को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.दरोगा की असयम मौत होने से पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई. सूचना मिलते ही एसएसपी समेत तमाम पुलिस अफसर जिला अस्पताल पहुंच गए. घटना की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई है परिजन मौके पर पहुंच रहे हैं.

नादान परिंदे साहित्य मंच ने बच्चों को कंबल वितरित किया

वाराणसी ।नादान परिंदे साहित्य मंच के तत्वाधान में रविवार को पांचवे चरण में मातृ मंदिर कन्या गुरुकुल विद्यालय, लक्सा रामापुरा में बच्चों व जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया गया ।

ये बच्चे गुरुकुल में भारत वर्ष के अनेको प्रान्त के बच्चे यहाँ शिक्षा ग्रहण करने आते है और यही पर उनके रहने व खाने की व्यवस्था की जाती है ।

कार्यक्रम में नादान परिंदे साहित्य मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुबाष चंद्र , कोषाध्यक्ष झ झरना मुखर्जी मातृ मंदिर कन्या गुरुकुल की मुख्य संचालिका डॉ गायत्री आर्या, राजेश राय , सपन मुखर्जी , संजना वर्मा , सुरैया बानो आदि सहित अनेक लोग उपस्थित थे ।

'ये माननीय अध्यक्ष हैं', नितिन नबीन को नेताओं ने ऐसा क्या कहा कि हाईकमान हुई गुस्सा, भाजपा में नया प्रोटोकॉल

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी के संगठन में इन दिनों एक वाक्य बार-बार सुनाई दे रहा है - "पद नाम से बड़ा होता है"। वजह हैं नवनियुक्त कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन। उनके नाम को लेकर हुई एक छोटी सी 'लापरवाही' ने ऐसा संदेश दे दिया कि अब पार्टी में बोलने की भाषा तक पर अनुशासन तय हो गया है।

दरअसल नितिन नबीन उम्र और राजनीतिक अनुभव में पार्टी के कई दिग्गज नेताओं से छोटे हैं। इसी वजह से कुछ वरिष्ठ नेता अनौपचारिक बातचीत में उन्हें सीधे नाम से संबोधित कर रहे थे। बात जब ऊपर तक पहुंची, तो हाईकमान का मूड बिगड़ गया। संदेश साफ था - अब वे सिर्फ नितिन नबीन नहीं, "माननीय अध्यक्ष" हैं।

नाम नहीं, पद से संबोधन... यहीं से शुरू हुआ बवाल

हिन्दुस्तान के साप्ताहिक कॉलम 'राजदरबार' के मुताबिक नितिन नबीन के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद संगठन में प्रोटोकॉल को लेकर सख्ती इसलिए बढ़ी, क्योंकि कुछ वरिष्ठ नेता निजी रिश्तों के चलते पद की गरिमा भूल बैठे थे। हाईकमान को यह संदेश गलत लगा। नेतृत्व का मानना है कि अगर शीर्ष स्तर पर अनुशासन ढीला होगा, तो नीचे तक गलत संकेत जाएगा।

यही वजह है कि अब पार्टी ने सभी नेताओं और पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बातचीत चाहे बंद कमरे में हो या सार्वजनिक मंच पर, संबोधन हमेशा पद के अनुरूप होगा। नाम लेकर बुलाने की आदत पर अब ब्रेक लगा दिया गया है।

हाईकमान का तर्क, जुबान भी अनुशासन सीखें

भाजपा नेतृत्व का मानना है कि संगठन केवल फैसलों से नहीं, भाषा से भी चलता है। पद की गरिमा शब्दों में दिखनी चाहिए। इसलिए पुराने निजी रिश्ते, साथ की राजनीति और दोस्ती, सब एक तरफ रखकर अब पद को प्राथमिकता देने का आदेश दिया गया है।

खास बात यह भी है कि नितिन नबीन के जल्द ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की संभावना मानी जा रही है। ऐसे में पार्टी किसी भी तरह का भ्रम या असहजता पहले ही खत्म करना चाहती है।

नितिन नबीन की सादगी भी बनी चर्चा

दिलचस्प यह है कि जिस प्रोटोकॉल को लेकर पार्टी सख्त हुई, उसी नितिन नबीन का व्यवहार अब भी वैसा ही सरल है। वे अपने वरिष्ठ नेताओं से उसी पुराने सम्मान और सहजता के साथ मिलते हैं। फर्क बस इतना है कि अब दूसरे पक्ष को सावधान कर दिया गया है कि सादगी को हल्के में न लें।

पदभार ग्रहण करते ही नितिन नबीन ने एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत पर चलते हुए पथ निर्माण मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन विधायक बने रहे। पार्टी के भीतर इसे अनुशासन का मजबूत संकेत माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में भी बदला तेवर, पंकज चौधरी का सख्त संदेश

सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में भी अनुशासन का डोज बढ़ गया है। नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पद संभालते ही साफ कर दिया कि गुटबाजी और जातिगत बैठकें अब नहीं चलेंगी।

हाल ही में एक खास जाति से जुड़े विधायकों की अलग बैठक की खबर सामने आई, जिस पर पंकज चौधरी ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने दो टूक कहा कि ऐसी गतिविधियां पार्टी के संविधान और सिद्धांतों के खिलाफ हैं।

'मिशन 2027' या नई सख्ती की शुरूआत

पार्टी के भीतर इस सख्ती को लेकर दो राय हैं। एक वर्ग मानता है कि यह 'मिशन 2027' की तैयारी का हिस्सा है, जहां टिकट और भविष्य की राजनीति के लिए अभी से कसावट जरूरी है।

दूसरा वर्ग इसे नए अध्यक्षों की पहली अग्निपरीक्षा मान रहा है। जो नेता अब तक गुट बनाकर राजनीति कर रहे थे, उनके बीच बेचैनी साफ दिख रही है। उन्हें डर है कि पुरानी गतिविधियां अगर नए नेतृत्व के संज्ञान में आ गईं, तो मुश्किल बढ़ सकती है।

क्या नितिन नबीन बनेंगे अगले निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष?

भाजपा के अंदर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नितिन नबीन ही अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। संगठनात्मक प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। पंचायत से लेकर जिला और प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद अब नजर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर है।

सूत्रों के मुताबिक, खरमास खत्म होते ही प्रक्रिया तेज होगी। सभी प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली में बैठक करेंगे, सहमति बनी तो नाम राष्ट्रीय परिषद के पास जाएगा। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद तारीख तय होगी।

अगर ऐसा होता है, तो भाजपा के लिए यह गर्व का क्षण होगा कि बिहार का नेता पार्टी की सबसे बड़ी कुर्सी तक पहुंचा। फिलहाल इतना तय है कि भाजपा में अब सिर्फ फैसले नहीं बदले हैं, बोलने का तरीका भी बदल चुका है।

मऊ में विकास पुरुष स्व. कल्पनाथ राय की 85वीं जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई

(जीएनएस)।

मऊ। शिल्पी पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मऊ जनपद के विकास पुरुष स्व. कल्पनाथ राय की 85वीं जयंती पूरे जिले में श्रद्धा, सम्मान और भावनात्मक वातावरण के बीच मनाई गई। इस अवसर पर जिला अस्पताल परिसर स्थित उनकी प्रतिमा सहित कोपागंज, सेमरी जमालपुर, लुदुही और पतिला में स्थापित प्रतिमाओं पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं आम नागरिकों ने माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। विभिन्न कार्यक्रमों में उनके संघर्षपूर्ण जीवन और मऊ के विकास में दिए गए ऐतिहासिक योगदान को याद किया गया।

जयंती के अवसर पर मुहम्मदाबाद गोहना स्थित वृद्धाश्रम में स्व. कल्पनाथ राय की छोटी बेटी वैष्णवी राय ने अपनी माता डॉ. सुधा राय एवं पति सत्यार्थ राय के साथ सामाजिक सेवा कार्यों की शुरूआत की। उन्होंने वृद्धजनों के बीच आवश्यक सामग्री वितरित की और भरोसा दिलाया कि वे समय-समय पर उनके बीच आकर सेवा करती रहेंगी। वृद्धाश्रम में मौजूद कई बुजुर्ग, जो स्व. कल्पनाथ राय के नाम और कार्यों से परिचित थे, उनकी बेटी को अपने बीच पाकर भावुक नजर आए।

उल्लेखनीय है कि स्व. कल्पनाथ राय का जन्म 4 जनवरी 1941 को मऊ जिले के सेमरी जमालपुर गांव में हुआ था। उन्होंने मऊनाथ भंजन को तहसील का दर्जा दिलाया और वर्ष 1988 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी के कार्यकाल में मऊ को आजमगढ़ से अलग कर स्वतंत्र जिला घोषित कराने में अहम भूमिका निभाई। मऊ में आज दिखाई देने वाला अधिकांश विकास उनके दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम माना जाता है।

उधर, कल्पनाथ राय के पैतृक आवास पर उनकी बहू डॉ. सीता राय ने पूजन-अर्चन कर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। तथा उनके नाम पर पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि आज मऊ को विकास पुरुष स्व. कल्पनाथ राय जैसे नेतृत्व की अत्यंत आवश्यकता है। भले ही वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी स्मृतियाँ सदैव जीवंत रहेंगी।

जयंती के अवसर पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, भाजपा, भाकपा, माकपा, रालोद, बसपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, व्यापारियों और सामाजिक कार्यकताओं ने जनपद में स्थापित सभी प्रतिमाओं पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मीडिया से बातचीत में वैष्णवी राय ने कहा कि उनके पिता राजनीति से ऊपर उठकर राजधर्म का पालन करने वाले नेता थे। उन्होंने मऊ के विकास के लिए जो कार्य किए, वे कभी भुलाए नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे ही जनसेवी नेताओं की जरूरत है, जो निस्वार्थ भाव से जनता के लिए कार्य करें। वैष्णवी राय ने यह भी कहा कि वे अपने पिता की स्मृति में सामाजिक कार्यों के माध्यम से मऊ के लिए निरंतर कार्य करती रहेंगी, क्योंकि उनके बिना आज भी मऊ अधूरा सा लगता है।

इस अवसर पर रालोद के प्रदेश महासचिव देव प्रकाश राय, सुरेश बहादुर सिंह, किसान नेता राकेश सिंह, घनश्याम सहाय, अश्वनी सिंह, जय प्रकाश धूमकेतु, बसंत कुमार, मुन्ना यादव, सोनू सिंह, ब्रह्मानंद पांडेय, धर्म प्रकाश यादव, रमन पांडेय, अशोक सिंह, के.के. पांडेय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

यूपी में अब बिजली उपभोक्ताओं को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर चुनने का अधिकार, नई कॉस्ट डाटा बुक में आयोग ने किया साफ

लखनऊ। बुधवार को नियामक आयोग की ओर से जारी नई कास्ट डाटा बुक ने स्पष्ट किया गया है कि बिजली उपभोक्ताओं को पोस्टपेड अथवा प्रीपेड स्मार्ट मीटर चुनने का अधिकार है। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) के तहत उपभोक्ताओं के पास यह अधिकार प्राप्त है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्युत अधिनियम-2003 के तहत उपभोक्ताओं को पोस्टपेड अथवा प्रीपेड मीटर चुनने का अधिकार मिला है। अब तक राज्य में इसका पालन नहीं किया जा रहा था। नई कास्ट डाटा बुक ने स्पष्ट कर दिया है कि

पोस्टपेड कनेक्शन पर सिक्योरिटी राशि जमाकर उपभोक्ता पोस्टपेड कनेक्शन रख सकता है।

सहमति के बिना कनेक्शन देना विद्युत अधिनियम के खिलाफ

उपभोक्ता की सहमति के बिना जबरिया प्रीपेड मोड में कनेक्शन देना विद्युत अधिनियम के खिलाफ है। आयोग ने बिजली कंपनियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि स्मार्ट मीटर लगाए जा सकते हैं, लेकिन उनका मोड (प्रीपेड या पोस्टपेड) उपभोक्ता की सहमति पर निर्भर करेगा।

लखनऊ महापौर सुषमा खर्कवाल की अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई या फिर सोशल मीडिया के माध्यम से चर्चा में बने रहने का शौक

लखनऊ (जीएनएस)।

लगातार वह सोशल मीडिया पर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करती दिखाई दे रही है ताकि आम नागरिक को जाम से छुटकारा मिल सके लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है

जोन एक अंतर्गत लालबाग क्षेत्र में 2 दिन पूर्व रोड को बाधित कर कार डेंट एवं पेंट करने वालों को लेकर महापौर सोशल मीडिया बहुत सख्त दिखाई दे रही थी आदेशित किया की सड़क पर यह सब नहीं चलेगा

रोड को पूरी तरह खाली करो या सब नहीं चलेगा आम नागरिक को दिक्कत नहीं होनी चाहिए

2 दिन बीतते ही सारी कार्यवाही हवा हवाई साबित होती दिखाई दे रही है वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कारे आज भी रोड पर डेंट पेंट की जा रही है बड़े-बड़े दुकानदार रोड को बाधित कर कार डेकोरेशन का काम कर रहे हैं

और आम नागरिक पूर्व की भांति जाम से जूझ रहा है

ऐसी स्थिति में महापौर की कार्रवाई में कितना दम है समझा जा सकता है

आखिर कब तक आम नागरिक को इसी तरह लॉलीपॉप दिया जाता रहेगा